**भारत सरकार**

**वित्त मंत्रालय**

**आर्थिक कार्य विभाग**

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 42**

**(जिसका उत्तर मंगलवार, 11 दिसंबर, 2018/20 अग्रहायण, 1940 (शक) को दिया जाना है।)**

**रुपए में गिरावट तथा चालू खाते में घाटे को रोकने के उपाय**

**42. श्री लाल सिंह वड़ोदिया:**

क्या **वित्त मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि रुपए में गिरावट और चालू खाता में घाटा बढ़ता जा रहा है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार इसे रोकने के लिए कोई कदम उठाने पर विचार कर रही है; और

(ग) यदि हां, तो उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है और इन्हें कब तक उठाया जाएगा और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

**उत्तर**

**वित्त राज्य मंत्री (श्री पोन्. राधाकृष्णन्)**

(क) रुपये में दोहरा घटनाक्रम हुआ है, जो अक्तूबर की शुरूआत में सामान्य अवमूल्यन और इसके बाद मूल्यवर्धन दर्शाता है। रुपया 2018 में 14.3 प्रतिशत के अवमूल्यन के साथ दिनांक 11 अक्तूबर, 2018 को एक ही दिन में 74.49 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर पर आ गया। जो अमेरिका में ब्याज दरों में वृद्धि, अंतरराष्ट्रीय व्यापार चिंताओं और भौगोलिक मुद्दों के कारण, मुख्यत: कच्चे तेल के मूल्य में वृद्धि और विदेशी पोर्टफोलियों निवेश वहिर्बाह को दर्शाता है। तथापि, बाद में रुपये का मूल्यवर्धन हुआ और 30 नवम्बर, 2018 को अमरीकी डॉलर की तुलना में 69.58 रुपये पर बंद हुआ। इस प्रकार वर्ष के दौरान अब तक अमरीकी डॉलर की तुलना में 8.20 प्रतिशत अवमूल्यन की स्थिति देखने में आई। अक्तूबर से रुपये के सामान्य अधिमूल्यन रूझान से कच्चे तेल के मूल्यों में सुगमता हुई और नवम्बर महीने में विदेशी पोर्टफोलियों अंतर्वाह 1.8 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया।

भारत के शेष भुगतान और सीएडी में दर्ज जीडीपी के अनुपात के रूप में चालू खाता घाटा (सीएडी) का विवरण सारणी-1 में दर्शाया गया है। भारत का चालू खाता घाटा (सीएडी) 2017-18 की प्रथम तिमाही (जीडीपी का 2.5 प्रतिशत) के 15.0 बिलियन अमरीकी डॉलर की तुलना में 2018-19 की प्रथम तिमाही में (जीडीपी का 2.4 प्रतिशत) बढ़कर 15.8 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया।

**सारणी । चालू खाता घाटा**

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| अवधि  | चालू खाता घाटा (बिलियन अमरीकी डॉलर) | सीएडी/जीडीपी (प्रतिशत) |
| 2014-15  | -26.9 | -1.3 |
| 2015-16  | -22.2 | -1.1 |
| 2016-17  | -14.4 | -0.6 |
| 2017-18  | -48.7 | -1.9 |
| 2018-19 पहली तिमाही | -15.8 | -2.4 |

 स्रोत: भारतीय रिजर्व बैंक ।

(ख) और (ग): यह उल्लेख किया जा सकता है कि रुपये की विनिमय दर बाजार आधारित होती है। तथापि, भारतीय रिजर्व बैंक, अत्यधिक अस्थिरता को नियंत्रित करने और सामान्य स्थिति बनाए रखने की दृष्टि से स्थायी विनिमय दर के लिए बिना किसी निर्धारित लक्ष्य और बैंड के घरेलू विदेशी विनिमय बाजार में हस्तक्षेप करता है। भारतीय रिजर्व बैंक परिवर्तमान स्थिति की निगरानी बनाए रखेगा और फोरेक्स बाजार अस्थिरता की अवधियों में स्थिरता लाने के लिए उपयुक्त कदम उठाएगा।

**\*\*\*\*\***